आई सी ए आर - भारतीय गेहूं एवं जौ अनुसंधान संस्थान, करनाल

प्रमुख सलाह (मार्च, 01-15, 2026)

भारत के सभी क्षेत्रों में गेहूं की बुआई और अन्य पद्धतियाँ

फसल मौसम 2025-26

सामान्य सुझाव

- ✓ पानी बचाने और लागत कम करने के लिए खेतों की समय पर और विवेकपूर्ण तरीके से सिंचाई करें।
- ✓ सिंचाई से पहले मौसम पर नज़र रखें और बारिश का पूर्वानुमान होने पर सिंचाई से बचें ताकि अधिक पानी की स्थिति से बचा जा सके।
- ✓ पीले, भूरे और काले रतुआ संक्रमण के लिए फसल की नियमित निगरानी करें और नजदीकी संस्थान, एसएयू या केवीके से परामर्श करें।

सिंचाई प्रबंधन:

- गेहूं की फसल में आवश्यकतानुसार तब सिंचाई करें जब हवा की गति कम हो, अधिमानतः शाम के समय, ताकि फसल को गिरने से बचाया जा सके।
- यदि तापमान में 3 दिनों से अधिक समय तक लगातार और उच्च वृद्धि होती है, तो फूल आने (एन्थेसिस) के बाद 0.2% (200 लीटर पानी में 400 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश) की दर से छिड़काव करें।
  या
- गर्मी के तनाव को कम करने के लिए फूल आने (एन्थेसिस) के बाद 2% (200 लीटर पानी में 4 किलोग्राम पोटेशियम नाइट्रेट) की दर से पोटेशियम नाइट्रेट का छिड़काव करें।
- दक्षिणी हरियाणा और राजस्थान के उत्तरी भागों में, उच्च तापमान वाले दिन दोपहर 2 से 2.30 बजे के आसपास एक घंटे के लिए छिड़काव-सिंचाई की जा सकती है।
- दानों को सिकुड़ने और गर्मी से होने वाले तनाव से बचाने के लिए, दानों के भरने की अवस्था में अंतिम सिंचाई करें और फसल को गिरने से बचाने हेतु सिंचाई हवा शांत होने पर ही करें।।

एफिड (चेपा) के लिए सलाह:

- गेहूँ में लीफ एफिड (चेपा) पर लगातार नज़र रखें। अगर लीफ एफिड की संख्या आर्थिक नुकसान के स्तर (ईटीएल: 10-15 एफिड/टिलर) को पार कर जाती है, तो क्विनालफॉस 25% इसी का इस्तेमाल करें। 400 मिली क्विनालफॉस को 200-250 लीटर पानी में मिलाकर एक एकड़ में छिड़काव करें।

पीले, भूरे और काले रतुआ के लिए सलाह:

- किसानों को सलाह दी जाती है कि वे धारीदार रतुआ (पीला रतुआ), भूरा या काला रतुआ का कोई भी प्रकोप होने पर नियमित रूप से अपनी फसल का निरीक्षण करें। यदि किसान अपने गेहूं के खेतों में रतुआ का प्रकोप देखते हैं और इसकी पुष्टि करते हैं, तो प्रोपिकोनाज़ोल 25इसी का एक छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। एक लीटर पानी में एक मिली रसायन मिलाया जाना चाहिए और इस प्रकार 200 मिली फफूंदनाशक को 200 लीटर पानी में मिलाकर एक एकड़ गेहूं की फसल में छिड़काव किया जाना चाहिए।
- किसानों को फसल पर तब छिड़काव करना चाहिए जब मौसम साफ हो, यानी बारिश न हो, कोहरा/ओस आदि न हो।

कटाई के लिए सलाह:

- जिन क्षेत्रों में फसल पक चुकी है, खासकर प्रायद्वीपीय क्षेत्र और सीमित सिंचाई की स्थिति में, वहां कंबाइन रीपर का उपयोग करके कटाई की जानी चाहिए। यदि फसल की कटाई हाथ द्वारा की जानी है, तो उसे थ्रेसिंग के लिए उपयुक्त नमी तक सुखाया जाना चाहिए।

(रतन तिवारी) 27/2/26

निदेशक